अपने ही प्रतिष्ठानों से उत्तीर्ण हुए शिक्षुओं को प्राथमिकता देते हैं। तथापि शिक्षुओं के प्रशिक्षण को रोजगार अवसरों के अनुरूप बनाने की दृष्टि से सरकार का शिक्षुओं के प्रशिक्षण की योजना का पुनरीक्षण करने का प्रस्ताव है।

अंडमान तथा निकोबार में खनिजों की खोज

5961. श्री राम जीवन सिंह : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अंडमान तथा निकोबार द्वीप-समूह मे खनिज संसाधनो की खोज तथा विकास के बारे मे सरकार के क्या प्रस्ताव हैं ; और

(ख) क्या लक्षदवीप मे भी खनिज संसाधनों की खोज करने का विचार है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री करिया मुण्डा) : (क) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा अडमान और निकोबार द्वीप समूह मे खनिजो की खोज जारी है और वर्तमान क्षेत्रयत सत्र (1977-78) के कार्यक्रम मे प्लेटिनम, कोबाल्ट, निकिल, क्रोमियम आदि के लिए अल्ट्रामैफिक चट्टानों का सर्वेक्षण, जलज मिट्टी की खोज तथा तांबा खनिजीकरण के लिए समेकित खोज शामिल हैं। ये खोज कार्य अभी प्रारम्भिक अवस्था में है और जब तक खोज का काम पूरा नही हो जाता तथा निक्षेपों की आर्थिक उपादेयता की पुष्टि नही हो जाती तब तक इन खनिजो के समुपयोजन के बारे मे कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

(ख) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने लक्षद्वीप के सभी बड़े समुद्रतालो में समन्वेषण किया है जिसके फलस्वरूप एक मीटर की गहराई पर चूनेदार मिट्टी के लगभग 2880 लाख टन भंडार होने का अनुमान लगाया गया है।

डायल घुमाकर सीधे टेलीफोन करने की सुविधा प्राप्त उत्तर प्रदेश के नगर

5962. श्री गंगा भक्त सिंह : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश के उन नगरों के क्या नाम हैं जहां पर सरकार का विचार वर्ष 1978-79 में डायल घुमाकर सीधे टेलीफोन करने की सुविधा उपलब्ध कराने का है ; और

(ख) लखनऊ से कितने जिला मुख्यालयों को जोड़ दिया गया है तथा और कितने जिलों को जोड़ दिये जाने की आशा है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव साय) : (क) गोरखपुर और सीतापुर।

(ख) पाच जिला मुख्यालयों अर्थात् इलाहाबाद, फैजाबाद, कानपुर, उन्नाव, और वाराणसी को उपभोक्ता दूरभाष डायलिंग सेवा के जरिये लखनऊ से जोड़ा जा चुका है। आशा है कि चार और जिला मुख्यालयो अर्थात आगरा, गोरखपुर, रायबरेली और सीतापुर को वर्ष 1978-79 के दौरान लखनऊ से जोड दिया जाएगा।

ग्रामों में तारों का वितरण

5963. श्री गंगा भक्त सिंह : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश के अधिकाश ग्रामीण क्षेत्रों में तारो के वितरण मे सामान्य पत्रों के वितरण से अधिक समय लगता है ;

(ख) यदि हां तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) तारो के महत्व को देखते हुए सरकार ने उन्हें शीघ्र वितरित कराने के लिये क्या कार्यवाही की है ?